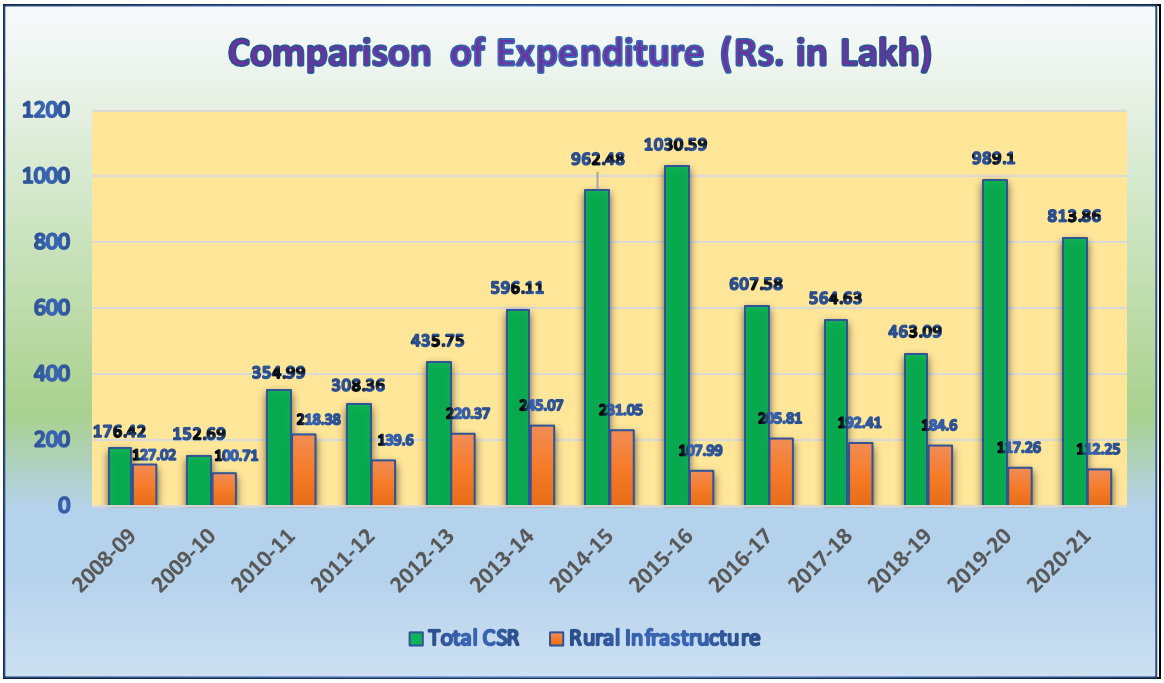

ग्रामीण विकास:

ग्रामीण विकास के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की पहल का बहुत महत्व है। भारत की आबादी का बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है, जिसमें बुनियादी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की कमी है।

ग्रामीण विकास का मूल उद्देश्य लोगों की आर्थिक बेहतरी के साथ-साथ अधिक सामाजिक परिवर्तन है। ग्रामीण विकास के लिए नीपको का सीएसआर एजेंडा असमानता को कम करना और इस प्रकार सामुदायिक जीवन शक्ति प्राप्त करना है। यदि ग्राम विकसित होता है तो देश विकसित होता है, इस उद्देश्य से नीपको सीएसआर नीपको परियोजनाओं के आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक बुनियादी ढांचे की सुविधा प्रदान करता है।

ग्रामीण विकास में सभी पहल को परिवर्तनों का वाहक माना जाता है और लंबे समय में इसके परिणाम महत्वपूर्ण होंगे।

पहल

यदि गांव विकसित होता है तो देश विकसित होता है, इस उद्देश्य से नीपको सीएसआर ग्रामीण क्षेत्रों में नीपको परियोजनाओं के पास सामाजिक बुनियादी ढांचे की सुविधा प्रदान करता है जो अत्यधिक महत्वाकांक्षी हैं । इस पहल में सामुदायिक हॉल/चांग घर/रिंग वेल/वृद्धावस्था/जल आपूर्ति योजना/सड़क/वृद्धावस्था गृह/फुटपाथ/रेस्ट हाउस/पार्क/खेल का मैदान, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों (स्पर्स/गेबियन संरचना आदि का निर्माण) का निर्माण शामिल है।

ग्रामीण विकास गतिविधियों के तहत गतिविधियाँ (अतिरिक्त बिंदु):

- जल संचयन का निर्माण
- फुट ब्रिज/चांग घर/सामुदायिक हाल/गेबियन संरचना/मृदा संरक्षण आदि का निर्माण
- विद्यालयों में साइकिल स्टैंड /एप्रोच रोड/फुट ब्रिज/कम्युनिटी हॉल/गेबियन संरचना/मृदा संरक्षण आदि का निर्माण।
- उपायुक्त, गोलाघाट को बाढ़ रोधी उपकरण उपलब्ध कराना।
- सासोनी मेरबील इको टूरिज्म प्रोजेक्ट, डिब्रूगढ़, असम के पूरे पार्क का नवीनीकरण और विकास

परिणाम:

परियोजना क्षेत्रों में और आसपास के ग्रामीण समाज ने नीपको की प्रगति में सबसे अधिक योगदान दिया । वर्ष के दौरान नीपको ने ग्रामीण बुनियादी ढांचे और विकास में आए अंतराल को पढ़ा है, और तदनुसार अपने पहल की योजना बनाई है।

ग्रामीण विकास के व्यापक मदों के तहत नीपको द्वारा किए गए पहल ग्रामीण और सामुदायिक जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ रहे हैं ।

स्पर्स, गेबियन संरचना के निर्माण पर हस्तक्षेप और निवेश लोगों की आजीविका पर नदियों और नालों के कारण होने वाली कुछ नकारात्मक बाहरीताओं को रोकता है, चिंताओं को दूर करता है और लोगों की आजीविका के बाहर निकलने के रास्ते को बनाए रखने में मदद करता है । इस तरह के पहल से विस्थापन या व्यवसायों के स्थानांतरण के खतरों में सुधार होता है। स्थान और व्यवसायों के स्थानांतरण में शामिल लागतों को ध्यान में रखते हुए, एक नए स्थान और व्यवसाय में पहचान के नुकसान के साथ-साथ आवश्यक प्रयास और एक नई नौकरी खोजने के लिए बाधाओं को ध्यान में रखते हुए ऐसे पहलों का अत्यधिक मूल्य है।

सामुदायिक हॉल का निर्माण गरीब ग्रामीणों को स्थानीय सभाओं, शैक्षिक कार्यक्रमों, चिकित्सा शिविरों आदि में भाग लेने में सहायता करता है।
सीएसआर योजनाओं के तहत स्थापित जल संचयन योजनाएं वर्षा जल के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करके सतत विकास में योगदान दे रही हैं।
जल संचयन तक पहुंच में सुधार के अलावा, अन्य सहवर्ती परिणाम महिलाओं द्वारा कठिन परिश्रम में गिरावट हैं, जो अन्य अप्रत्यक्ष परिणामों के साथ सबसे अधिक हाशिए पर हैं जिनमें महिलाओं और बाल स्वास्थ्य में सुधार शामिल है।
बाजार या सामुदायिक स्थानों में आरसीसी मार्केट शेड, प्रतीक्षालय और शौचालय के निर्माण जैसे हस्तक्षेपों ने सार्वजनिक स्थानों को किसी भी प्रकार के उपद्रव से बचाने के अलावा व्यापारियों, खरीदारों और महिलाओं और बच्चों सहित यात्रियों के लिए कई सुविधाएं पैदा कीं। दूसरी ओर, पहुंचने योग्य सड़कें, फूट-पाथ और पुल संचार प्रणाली को आसान बनाते हैं, जिससे

महिलाओं को बाजार और काम पर जाने और स्कूल जाने वाले बच्चों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सोलर स्ट्रीट लाइट, जल स्रोत पॉइंट की स्थापना महत्वपूर्ण हैं ।

ग्रामीण विकास में सभी हस्तक्षेपों को परिवर्तनों के वाहक के रूप में माना जाता है और दीर्घावधि में परिणाम महत्वपूर्ण होंगे ।